किसान मूंगफली फसल का वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन करें

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ महक सिंह

ने बताया कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि देश के मूंगफली का उत्पादन विश्व के उत्पादन में 34त्न की भागीदारी है। उन्होंने कहा की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर है तथा उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। डॉ महक सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में 25 से 30त्न प्रोटीन,10 से 12त्न कार्बोहाइड्रेट तथा 45 से 55त्न वसा पाई जाती है डॉ सिंह ने बताया कि मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा,फाइबर, खनिज, विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है।उन्होंने बताया की मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस की तुलना में 1.3 गुना, अंडो से 2.5 गुना एवं फलो से 8 गुना अधिक होती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि इस समय मूंगफली की खेती लगभग 20 से 25 दिनों की हो गई होगी। तो फसल में खरपतवारों की समस्या हो तो निराई गुड़ाई अवश्य कर दें।यदि किसान भाइयों की फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूँटियाँ बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई न करें। इस समय किसान भाई जब खुटिया निकल रही हों तो जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें, जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की फसल में टिक्का एक बीमारी आती है जिसके यंत्रण के लिए फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोज़ेब 50त्न डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव कर दें। इसके अतिरिक्त मूंगफली में सफेद गिडार कीट लगता है उसके नियंत्रण के लिए किसान भाई क्लोरपीरिफॉस रसायन की 4 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करें। उन्होंने किसान भाइयों को यह भी सलाह दी है कि मूंगफली की फसल को एक साथ पकने के लिए बोरेक्स 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का बुरकाव कर दें।जब मूंगफली के अंदर का भाग कत्थई रंग का दिखाई दे तो खुदाई का उपयुक्त समय होता है।

अमर भारती
एक उम्मीद
ा, 06 संस्करण
: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455
www.amarbharti.com
मंगलवार, 01 अगस्त 2023 शक सम्वत् 1945, श्र

मूंगफली फसल का किसान करें वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन

अमर भारती ब्यूरो।

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ महक सिंह ने बताया कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि देश के मूंगफली का उत्पादन विश्व के उत्पादन में 34प्रतिशत की भागीदारी है। उन्होंने कहा की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर है तथा उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। डॉ महक सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में 25 से 30प्रतिशत प्रोटीन,10 से 12प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट तथा 45 से 55प्रतिशत वसा पाई जाती है डॉ सिंह ने बताया कि मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा,फाइबर, खनिज, विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है।उन्होंने बताया की मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस की तुलना में 1.3 गुना, अंडो से 2.5 गुना एवं फलो से 8 गुना अधिक होती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि इस समय मूंगफली की खेती लगभग 20 से 25 दिनों की हो गई होगी। तो फसल में खरपतवारों की समस्या हो तो निराई गुड़ाई अवश्य कर दें।यदि किसान भाइयों की फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूँटियाँ बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई न करें। इस समय किसान भाई जब खुटिया निकल रही हों तो जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें, जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की फसल में टिक्का एक बीमारी आती है जिसके यंत्रण के लिए फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोज़ेब 50प्रतिशत डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव कर दें।

सीएसए के प्रोफेसर में किसानों को खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के बारे में दी जानकारी

मूंगफली के सेवन से त्वचा रहती है जवां

डॉ. सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में प्रोटीन 25 से 30 फीसदी जो मांस की तुलना में 1.3 गुना, अंडो से 2.5 गुना एवं फलो से 8 गुना अधिक होता है। वही कार्बोहाइड्रेट 10 से 12 फीसदी तथा वसा 45 से 55 फीसदी पाई जाती है। उन्होंने बताया कि मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा,फाइबर, खनिज, विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है।

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ. महक सिंह ने बीते दिन सोमवार को किसानों को खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। देश मे मूंगफली के उत्पादन की विश्व के उत्पादन में 34 फीसदी की भागीदारी है। उन्होंने बताया की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर, उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है।

जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। उन्होंने किसानो से कहा कि फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूंटियां बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई नही करनी चाहिए। उन्होंने खुटिया निकलने पर जिप्सम का प्रयोग करने की बात कही। जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोत्तरी होती है।

उन्होंने मूंगफली की फसल में टिका बीमारी होने पर फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोज़ेब 50 फीसदी व डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करने की सलाह दी।

मूंगफली उगाए आमदनी बढ़ाएं : डॉ महक सिंह

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के प्रोफेसर डॉ महक सिंह ने बताया कि खरीफ के मौसम में तिलहनी फसलों के अंतर्गत मूंगफली की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि देश के मूंगफली का उत्पादन विश्व के उत्पादन में 34त्र की भागीदारी है उन्होंने कहा की मूंगफली का देश में क्षेत्रफल 5.02 मिलियन हेक्टेयर है तथा उत्पादन 8.11 मिलियन टन तथा उत्पादकता 1616 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है जबकि उत्तर प्रदेश में मूंगफली का क्षेत्रफल 1.01 लाख हेक्टेयर, उत्पादन एक लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 984 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है डॉ महक सिंह ने बताया मूंगफली के दानों में 25 से 30त्र प्रोटीन, 10 से 12त्र कार्बोहाइड्रेट तथा 45 से 55त्र वसा पाई जाती है डॉ सिंह ने बताया कि मूंगफली में प्रोटीन, लाभदायक वसा, फाइबर, खनिज, विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं इसलिए इसके सेवन से त्वचा उम्र भर जवां दिखाई देती है उन्होंने बताया की मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस की तुलना में 1.3 गुना, अंडों से 2.5 गुना एवं फलो से 8 गुना अधिक होती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि इस समय मूंगफली की खेती लगभग 20 से 25 दिनों की हो गई होगी तो फसल में खरपतवारों की समस्या हो तो निराई गुड़ाई अवश्य कर दें यदि किसान भाइयों की फसल 35 से 40 दिन की हो गई हो तथा खूँटियाँ बननी शुरू हो गई हो तो निराई गुड़ाई न करें इस समय किसान भाई जब

खुटिया निकल रही हों तो जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें, जिससे तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है उन्होंने कहा कि मूंगफली की फसल में टिक्का एक बीमारी आती है जिसके यंत्रण के लिए फफूंदी नाशक खड़ी फसल में मैनकोजेब 50त्र डब्ल्यूपी 225 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव कर दें इसके अतिरिक्त मूंगफली में सफेद गिडार कीट लगता है उसके नियंत्रण के लिए किसान भाई क्लोर पीरिफॉस रसायन की 4 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करें उन्होंने किसान भाइयों को यह भी सलाह दी है कि मूंगफली की फसल को एक साथ पकने के लिए बोरेक्स 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का बुरकाव कर दें जब मूंगफली के अंदर का भाग कत्थई रंग का दिखाई दे तो खुदाई का उपयुक्त समय होता है।

दैनिक जागरण 01/08/2023

एक नजर में

किसान अब 10 अगस्त तक कराएं पीएम फसल बीमा

कानपुर : राज्य सरकार ने किसानों की सहूलियत के लिए प्रधानमंत्री

फसल बीमा योजना की अवधि 31 जुलाई से बढ़ाकर 10 अगस्त तक कर दी है। मीडिया प्रभारी डा. खलील खान ने बताया कि योजना अंतर्गत किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर आर्थिक सहायता देने के लिए पहले 31 जुलाई तक बीमा किए जाने के आदेश थे लेकिन सोमवार को शासन स्तर से तारीख बढ़ा दी गई है। (वि.)